तुरंत जारी करने हेतु **(प्रेस विज्ञप्ति सं.50/2021)**

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 2021

(www.trai.gov.in)

30 सितम्बर, 2021 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस+वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1166.02**	**23.13**	**1189.15**
सितम्बर 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-20.70	0.27	-20.43
मासिक वृद्धि दर	-1.74%	1.19%	-1.69%
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**637.89**	**21.20**	**659.09**
सितम्बर 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-12.50	0.29	-12.21
मासिक वृद्धि दर	-1.92%	1.38%	-1.82%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**528.13**	**1.93**	**530.06**
सितम्बर 2021 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-8.20	-0.02	-8.22
मासिक वृद्धि दर	-1.53%	-0.88%	-1.53%
समग्र दूरसंचार-घनत्व*	**85.20%**	**1.69%**	**86.89%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व*	134.26%	4.46%	138.72%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व*	59.11%	0.22%	59.33%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.71%	91.66%	55.43%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.29%	8.34%	44.57%
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**770.49**	**24.39**	**794.88**

- सितम्बर, 2021 के माह में 10.10 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने की तिथि से अगस्त, 2021 तक संचयी एमएनपी अनुरोध 628.15 मिलियन से बढ़कर सितम्बर, 2021 के अंत तक 638.25 मिलियन हो गया।

- सितम्बर, 2021 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 995.67 मिलियन थी।

नोट: -

- इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो जो कि निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/Population%20Projection%20Report%202011-2036%20-%20upload_compressed_0.pdf के आधार पर के आधार पर।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- अगस्त, 2021 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,209.58 मिलियन से घटकर, सितम्बर 2021 के अंत तक 1,189.15 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक ह्रास दर 1.69 प्रतिशत दर्ज की गयी। अगस्त, 2021 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 671.31 मिलियन से घटकर सितम्बर, 2021 के अंत तक 659.09 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 538.28 मिलियन से घटकर 530.06 मिलियन हो गई। सितम्बर, 2021 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक ह्रास दर 1.82 प्रतिशत तथा 1.53 प्रतिशत रही।

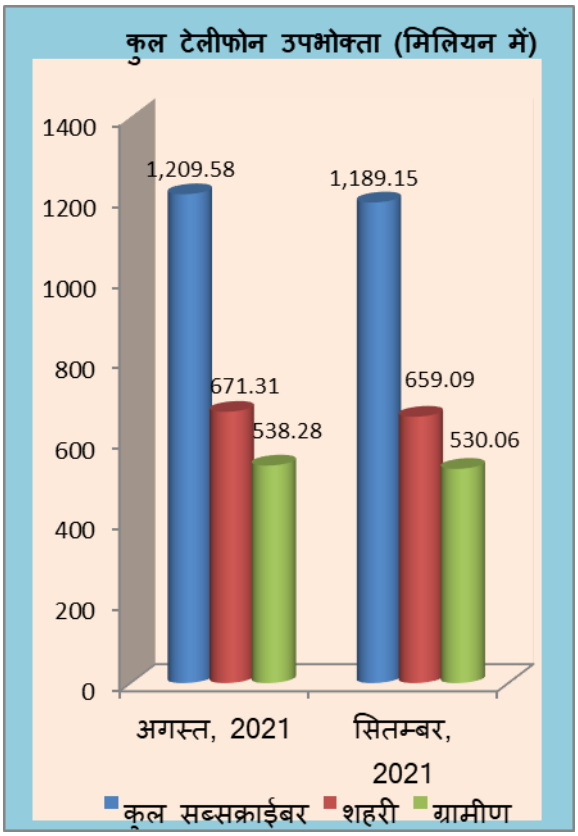

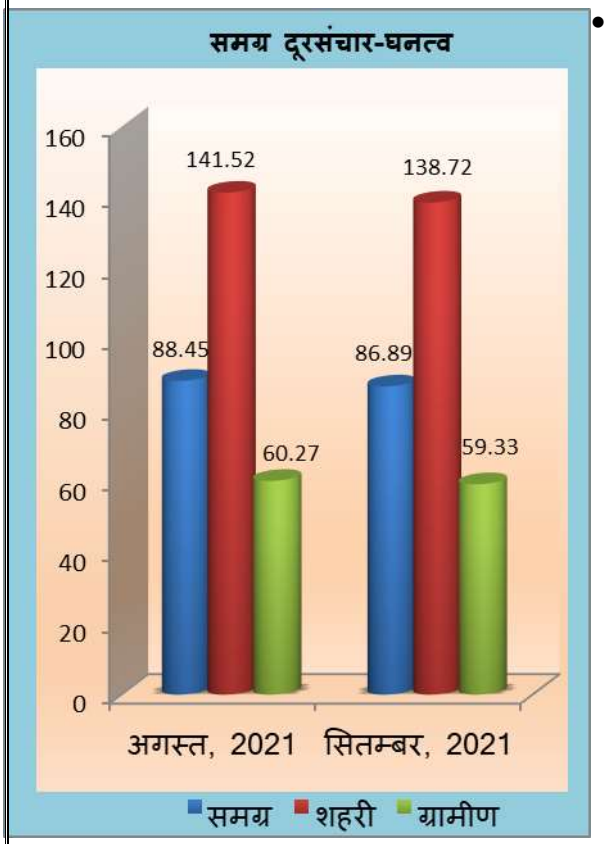

- अगस्त, 2021 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 88.45 प्रतिशत से घटकर सितम्बर, 2021 के अंत तक 86.89 प्रतिशत हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व अगस्त, 2021 के अंत तक 141.52 प्रतिशत से घटकर सितम्बर, 2021 के अंत तक 138.72 प्रतिशत हो गया और ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी अगस्त, 2021 के अंत तक 60.27 प्रतिशत से घटकर सितम्बर, 2021 के अंत तक 59.33 प्रतिशत हो गया। सितम्बर, 2021 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 55.43 प्रतिशत तथा 44.57 प्रतिशत थी।

दिनांक 30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि सितम्बर, **2021** के अंत में नौ सेवा क्षेत्रों में टेलि-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि-घनत्व **269.76** प्रतिशत रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि-घनत्व **53.59** प्रतिशत रहा है।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो जो कि निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है **https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/Population%20Projection%20Report%202011-2036%20-%20upload_compressed_0.pdf** के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

सितम्बर, 2021 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	सितम्बर, 2021 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी - क	57,138	-60,56,491	88,21,772	39,72,95,525
श्रेणी - ख	109,570	-54,97,477	52,95,988	47,72,64,529
श्रेणी - ग	45,412	-35,78,390	13,48,167	17,91,56,923
महानगर	60,176	-55,70,682	76,65,595	11,23,04,174
अखिल भारतीय	**2,72,296**	**-2,07,03,040**	**2,31,31,522**	**1,16,60,21,151**

सितम्बर, 2021 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में)		(सितम्बर, 2020 से, सितम्बर 2021 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी - क	0.65%	-1.50%	13.38%	1.32%
श्रेणी - ख	2.11%	-1.14%	19.60%	2.46%
श्रेणी - ग	3.49%	-1.96%	58.16%	1.87%
महानगर	0.79%	-4.73%	9.26%	-2.18%
अखिल भारतीय	**1.19%**	**-1.74%**	**15.21%**	**1.52%**

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि सितम्बर, 2021 माह के दौरान मासिक आधार पर सभी सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में ह्रास दर दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर महानगर सेवा क्षेत्र को छोड़कर वायरलेस सेवा क्षेत्र के सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।
- वायरलाइन सेवा क्षेत्र में सितम्बर, 2021 माह के दौरान दोनों मासिक एवं वार्षिक आधार पर वायरलाइन सेवा क्षेत्र के सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- अगस्त, 2021 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,186.72 मिलियन से घटकर सितम्बर, 2021 के अंत तक 1166.02 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 1.74 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या अगस्त, 2021 के अंत तक 650.39 मिलियन से घटकर सितम्बर, 2021 के अंत तक 637.89 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 536.33 मिलियन से घटकार 528.13 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर क्रमशः 1.92 प्रतिशत और 1.53 प्रतिशत रही।

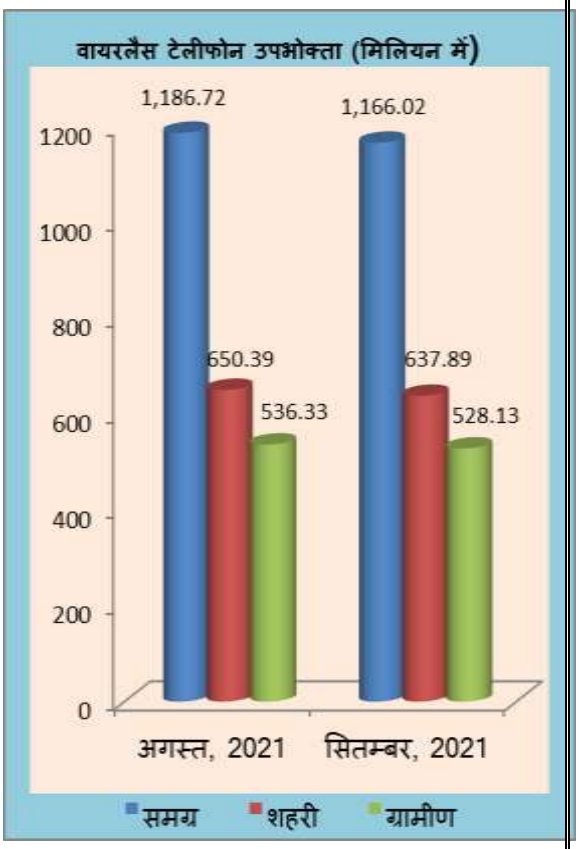

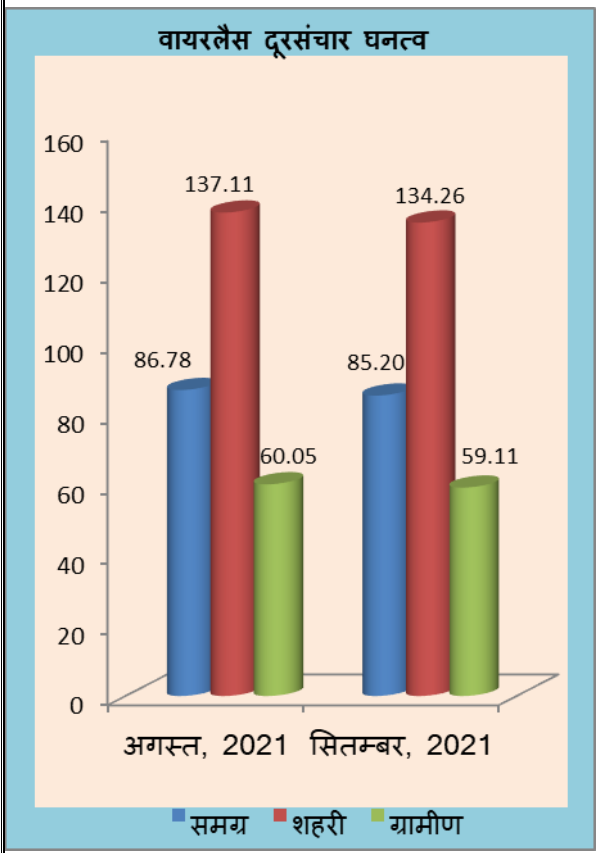

- अगस्त, 2021 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 86.78 प्रतिशत से घटकर सितम्बर, 2021 के अंत तक 85.20 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों में अगस्त, 2021 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 137.11 प्रतिशत से घटकर सितम्बर, 2021 के अंत में 134.26 प्रतिशत हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व भी 60.05 प्रतिशत से घटकर 59.11 प्रतिशत हो गया। सितम्बर, 2021 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 54.71 प्रतिशत तथा 45.29 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.99 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.01 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः-

30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

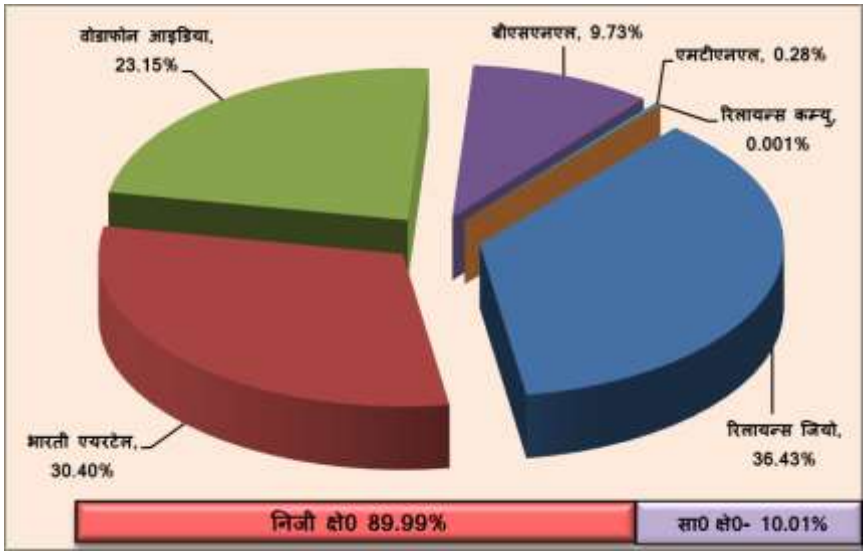

सितम्बर, 2021 **के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता**

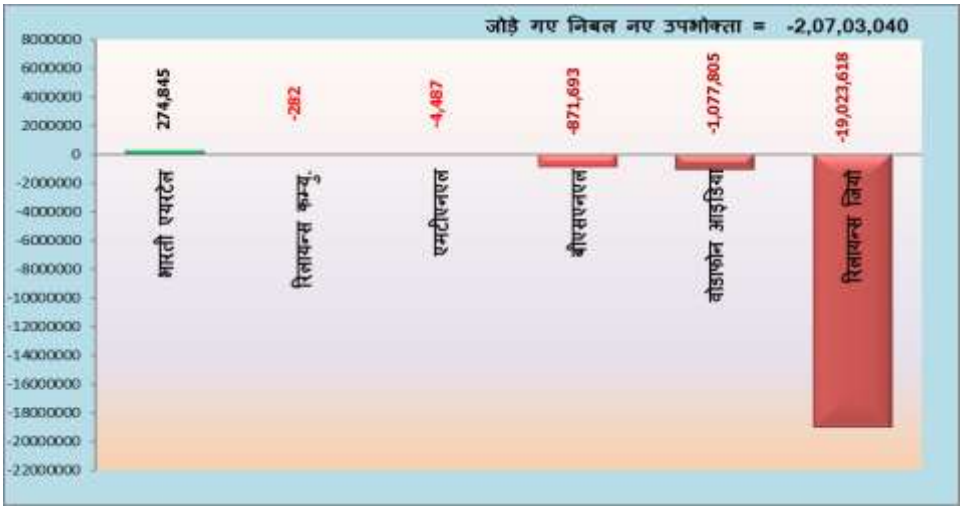

नोट - 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क आपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि

सितम्बर, 2021 माह के दौरान सेवा-प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

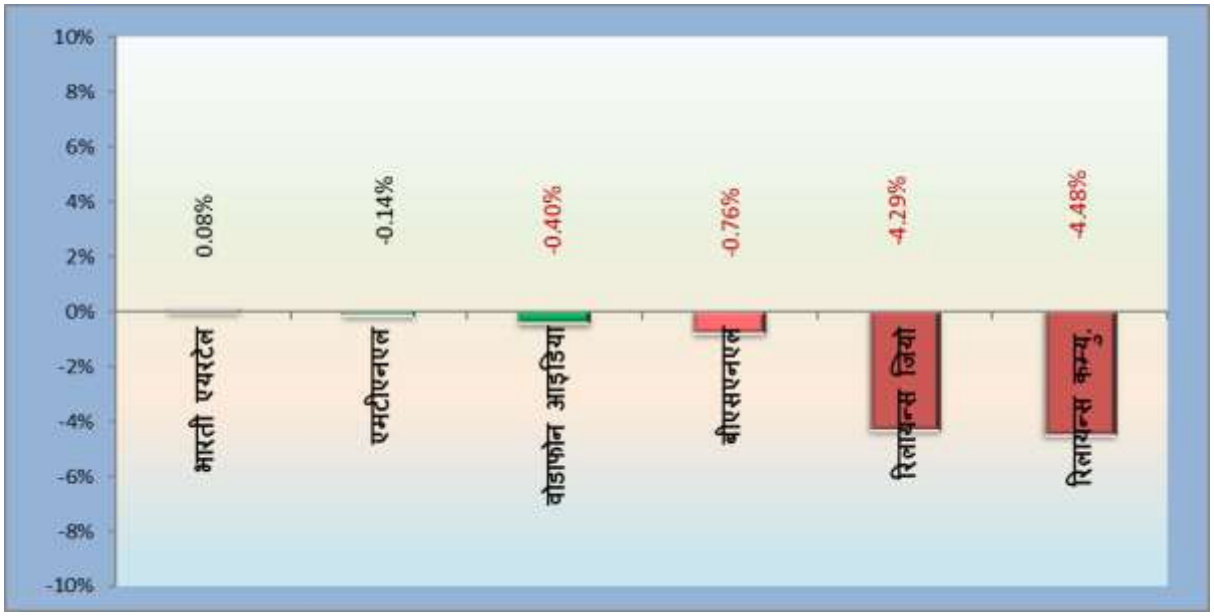

नोट - 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है।

सितम्बर, 2021 माह के दौरान सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

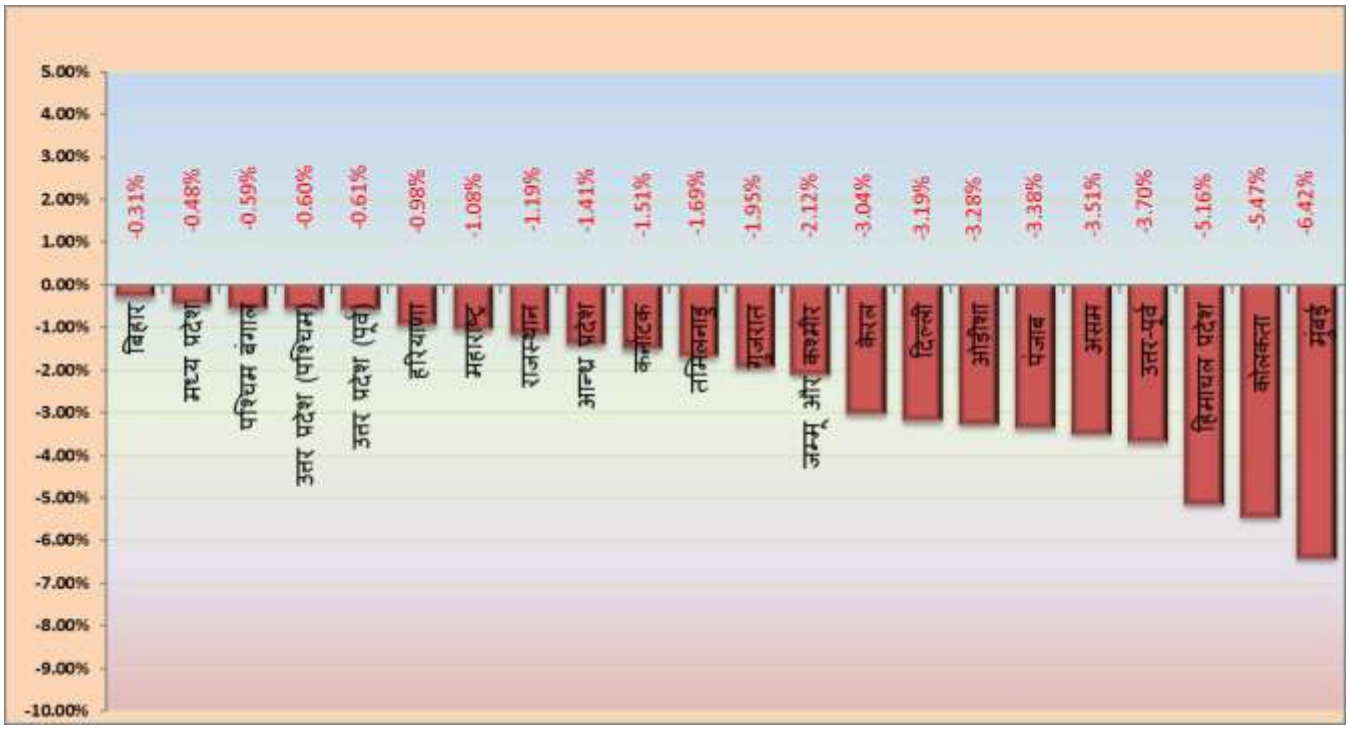

- सितम्बर, 2021 माह के दौरान सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में ह्रास दर दर्ज की गई।

V. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- सितम्बर, 2021 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,166.02 मिलियन) में से 995.67 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 85.39 प्रतिशत था।

- सितम्बर, 2021 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

सितम्बर, 2021 माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

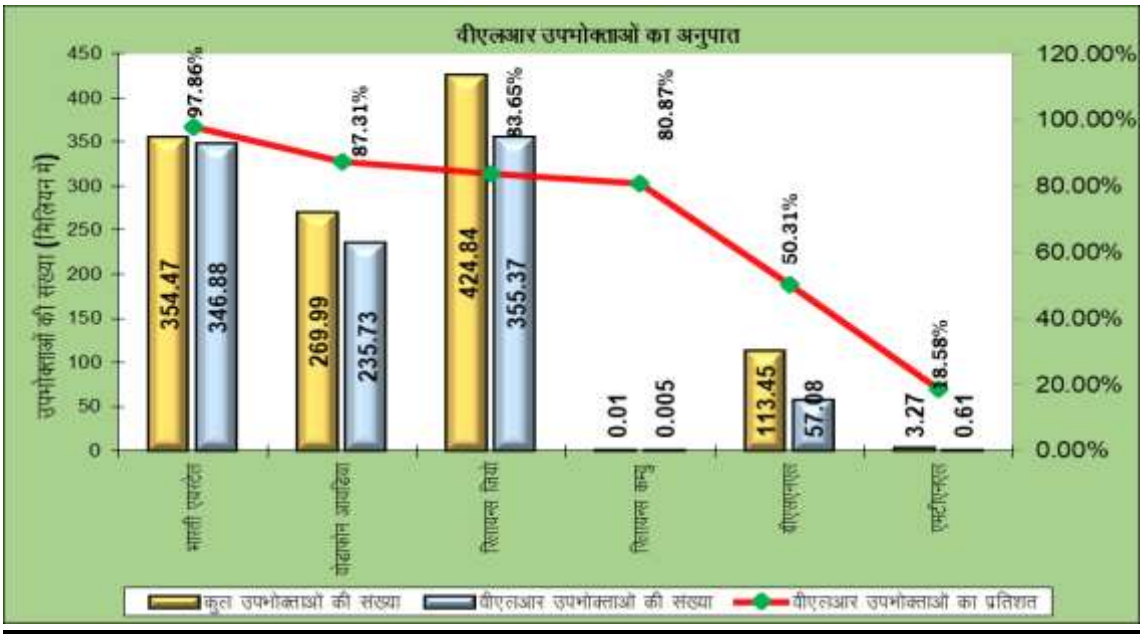

- सितम्बर, 2021 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 97.86 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 18.58 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

सितम्बर, 2021 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

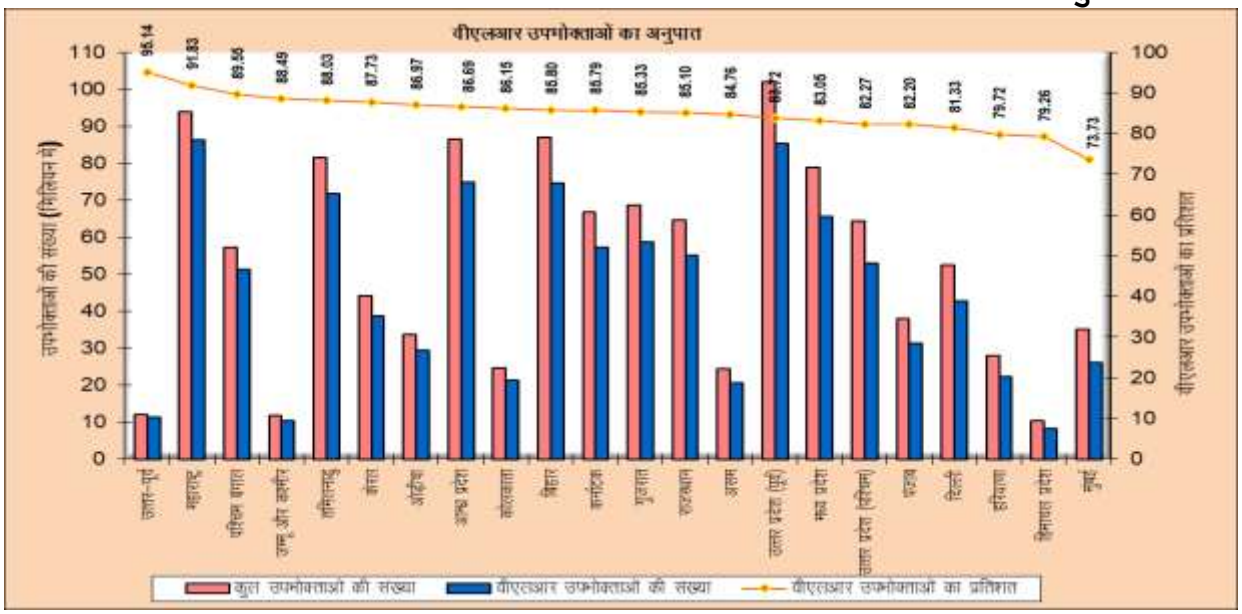

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- सितम्बर, 2021 के माह में कुल 10.10 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 10.10 मिलियन अनुरोधों में से 6 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 4.09 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध अगस्त, 2021 के अंत तक 628.15 मिलियन से बढ़कर सितम्बर, 2021 के अंत तक 638.25 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 52.69 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पूर्व में (लगभग 46.24 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 50.55 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 48.69 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-1			**जोन-2**		
सेवा क्षेत्र	**पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या**		**सेवा क्षेत्र**	**पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या**	
	अगस्त-21	**सितम्बर-21**		**अगस्त-21**	**सितम्बर-21**
दिल्ली	30.64	31.09	आन्ध्र प्रदेश	48.23	48.69
गुजरात	42.43	43.15	असम	4.37	4.43
हरियाणा	21.06	21.31	बिहार	30.29	31.02
हिमाचल प्रदेश	2.89	2.93	कर्नाटक	50.13	50.55
जम्मू और कश्मीर	1.39	1.40	केरल	16.67	16.94
महाराष्ट्र	51.76	52.69	कोलकाता	13.18	13.31
मुंबई	26.29	26.46	मध्य प्रदेश	45.38	46.24
पंजाब	23.54	23.83	उत्तर-पूर्व	1.63	1.64
राजस्थान	45.43	46.07	ओड़ीशा	12.20	12.37
उत्तर प्रदेश-पूर्व	44.84	46.24	तमिलनाडु	46.93	47.31
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	36.00	37.10	पश्चिम बंगाल	32.88	33.49
कुल	**326.27**	**332.27**	**कुल**	**301.88**	**305.98**
कुल (जोन-I + जोन-II)				**628.15**	**638.25**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (सितम्बर, 2021 माह में)				**10.10 मिलियन**	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या अगस्त, 2021 के अंत तक 22.86 मिलियन से बढ़कर, सितम्बर, 2021 के अंत तक 23.13 मिलियन हो गई। इस माह में 1.19 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.27 मिलियन की निबल वृद्धि दर्ज की गई। सितम्बर, 2021 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 91.66 प्रतिशत तथा 8.34 प्रतिशत रही।
- अगस्त, 2021 के अंत तक वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 1.67 प्रतिशत से बढ़कर सितम्बर, 2021 के अंत तक 1.69 प्रतिशत हो गया। इसी समय के दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.46 प्रतिशत तथा 0.22 प्रतिशत रहा।
- 30 सितम्बर, 2021 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 45.98 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक-3 में उपलब्ध हैं। सितम्बर, 2021

माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:-

दिनांक 30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

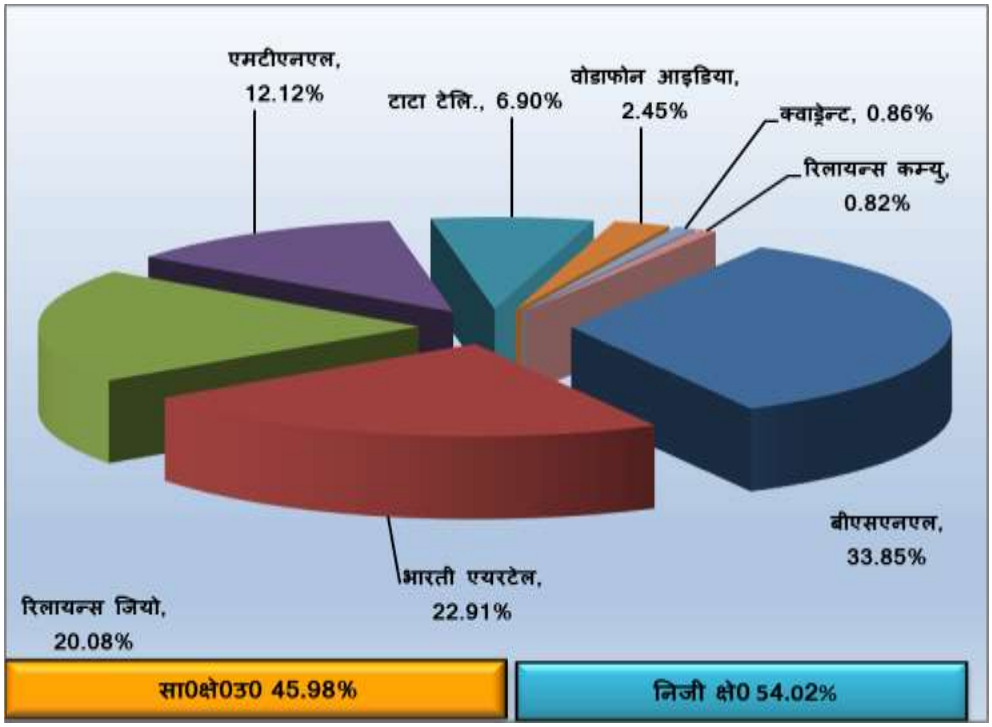

सितम्बर, 2021 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

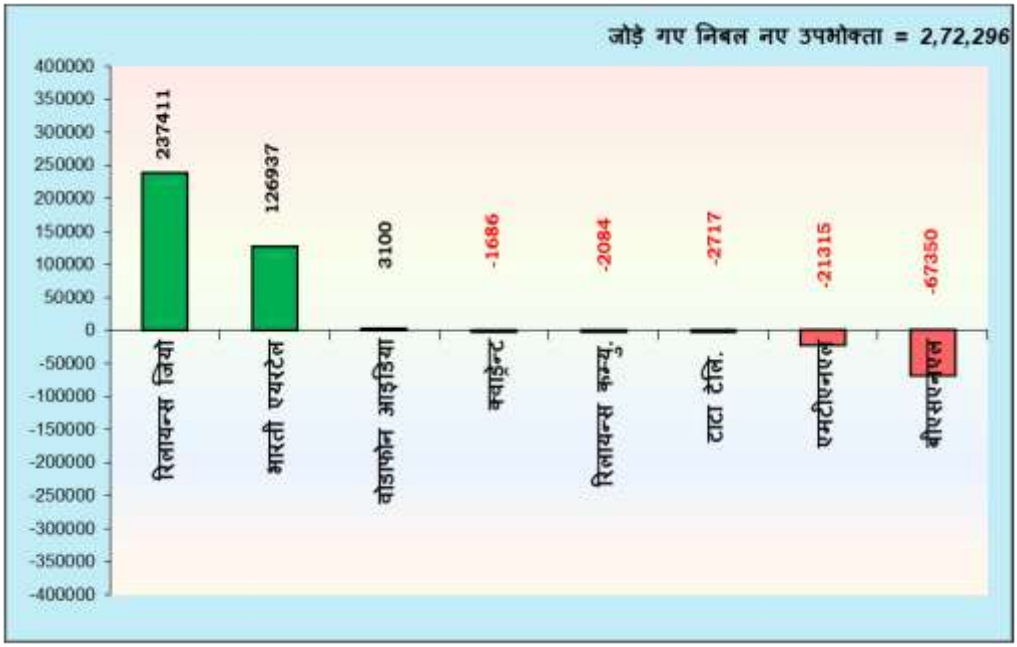

VIII. ब्राडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

सितम्बर, 2021 के अंत में 522 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, अगस्त 2021 में 499 सेवा प्रदाताओं की तुलना में, ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 813.47 मिलियन से घटकर 794.88 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 2.29 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः -

सितम्बर, 2021 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		सितम्बर, 2021 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 अगस्त, 2021 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	24.29	24.39	0.41%
मोबाइल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डान्गल)	787.94	769.22*	-2.38%
फिक्सड वायरलैस ब्राडबैंड उपभोक्ता (वाई-फाई, वाई-मैक्स, प्वाईंट-टू-प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	1.24	1.28	2.75%
कुल	**813.47**	**794.88**	**-2.29%**

*रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड एवं वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने अपने सब्बसक्राइबर बेस में उल्लेखनीय कमी दर्ज की है।

- सितम्बर, 2021 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.70 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (428.78 मिलियन), भारती एयरटेल (207.30 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (122.37 मिलियन), बीएसएनएल (24.15 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.96 मिलियन) थे।

नोट: कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी-कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

दिनांक 30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

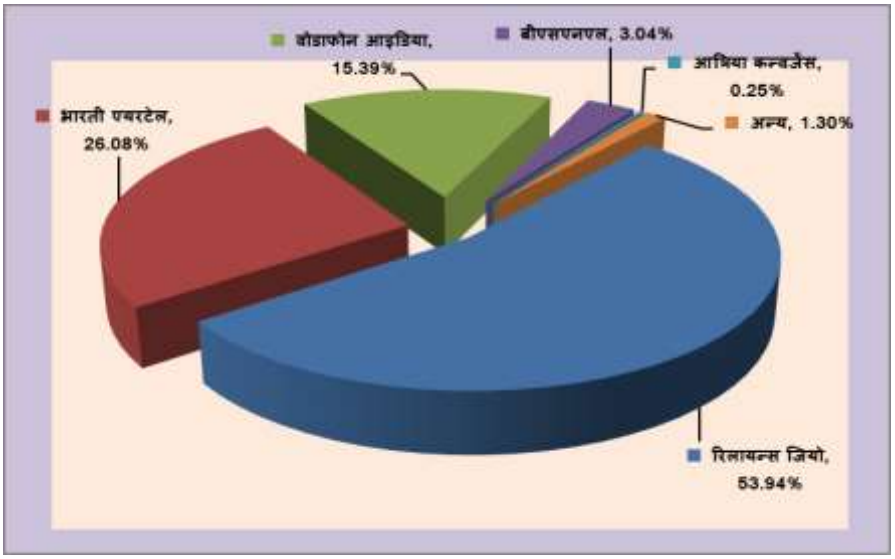

- दिनांक 30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पांच सबसे बड़े ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (5.05 मिलियन), रिलायंस जियो (3.94 मिलियन), भारती एयरटेल (3.85 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नालाजी (1.96 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकाम प्रा. लि. (1.08 मिलियन) थे।

- दिनांक 30 सितम्बर, 2021 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (424.84 मिलियन), भारती एयरटेल (203.45 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (122.36 मिलियन), बीएसएनएल (19.10 मिलियन) तथा तिकोना इनफिनिट लि. (0.30 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली-**110002.**
फोन-**011-23234367** फैक्स-**011-23235249**
ई-मेलः advfea2@trai.gov.in

(वी. रघुनन्दन)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक-1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त , 21	सितम्बर , 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त, 21	सितम्बर , 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21
आन्ध्र प्रदेश	31186566	31193079			14897868	14768586	9040658	9043969					32509911	31390404	**87635003**	**86396038**
असम	9563472	9,666,469			2942512	2896364	3085783	3097802					9647154	8692859	**25238921**	**24353494**
बिहार	36455259	36,289,924			11076397	10973747	5592809	5543665					34082403	34130700	**87206868**	**86938036**
दिल्ली	15797812	15829346	348	327	15803961	15812011					2156829	2155755	20370041	18605915	**54128991**	**52403354**
गुजरात	11967790	11842855	167	167	24454206	24305580	5669105	5676308					27961726	26862748	**70052994**	**68687658**
हरियाणा	5652243	5685403	57	49	8052386	8027162	4974750	4950543					9605082	9344716	**28284518**	**28007873**
हिमाचल प्रदेश	3314396	3327816	93	93	612917	605149	2693275	2700415					4337880	3759318	**10958561**	**10392791**
जम्मू और कश्मीर	5487137	5513460	0	0	469335	454075	1285096	1306794					4703972	4417890	**11945540**	**11692219**
कर्नाटक	30109015	30292369	1241	1209	8570817	8531587	7040501	7059485					22137644	20946637	**67859218**	**66831287**
केरल	7253904	7379352	337	307	16506993	16550717	10740162	10714520					10988173	9463239	**45489569**	**44108135**
केलकाता	5613894	5553511	23	23	6477190	6457356	2328786	2332993					11703505	10351062	**26123398**	**24694945**
मध्य प्रदेश	15540168	15459137	0	0	20896193	20787588	6065226	6007209					36738811	36605321	**79240398**	**78859255**
महाराष्ट्र	20019125	20110593	0	0	29797552	29368881	6614804	6576590					38410784	37765173	**94842265**	**93821237**
मुंबई	9455415	9469184	2208	2124	11521563	11579610					1117381	1113968	15525900	13040989	**37622467**	**35205875**
उत्तर-पूर्व	5389862	5437472	0	0	1287316	1268515	1358947	1353900					4455087	3969330	**12491212**	**12029217**
ओड़ीशा	11074630	10990316	152	150	2086594	2069538	6387974	6344305					15344861	14346857	**34894211**	**33751166**
पंजाब	11438251	11480248	243	222	8781165	8864450	5345093	5388005					13739361	12244618	**39304113**	**37977543**
राजस्थान	21681220	21589292	233	222	11650429	11626794	5972642	6033689					26168784	25442295	**65473308**	**64692292**
तमिलनाडु	27349057	27595251	481	468	18469158	18421575	10685173	9887738	52947	53,618			26405720	25600655	**82962536**	**81559305**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	36600020	36561974	0	0	20915562	20781191	11138641	11132440					33838226	33392337	**102492449**	**101867942**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	17899301	17902978	174	146	19325518	19343161	5696082	5676052					21923694	21534971	**64844769**	**64457308**
पश्चिम बंगाल	15342610	15295963	538	506	16472500	16496690	2554709	2571430					23262525	22929592	**57632882**	**57294181**
कुल	**354191147**	**354465992**	**6295**	**6013**	**271068132**	**269990327**	**114270216**	**113397852**	**52947**	**53618**	**3274210**	**3269723**	**443861244**	**424837626**	**1186724191**	**1166021151**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**274845**		**-282**		**-1077805**		**-872364**		**671**		**-4487**		**-19023618**	**0**	**-20703040**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	***170770426***	***169,995,277***	***0***	***0***	***137959223***	***137214917***	***36674991***	***36,583,166***	***0***	***0***	***45078***	***45055***	**190881907**	**184291767**	**536331625**	**528130182**

अनुलग्नक-2

सितम्बर, 2021 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	100.53	58.23	88.53		-	80.28	**86.69**
असम	96.54	45.04	87.09		-	85.05	**84.76**
बिहार	92.80	43.48	82.45		-	86.30	**85.80**
दिल्ली	98.57		73.32	11.61	140.37	81.55	**81.33**
गुजरात	101.60	45.98	90.94		88.62	81.40	**85.33**
हरियाणा	110.74	32.95	90.66		104.08	76.22	**79.72**
हिमाचल प्रदेश	105.33	38.37	104.94		31.18	81.41	**79.26**
जम्मू और कश्मीर	97.69	54.17	86.67		-	87.35	**88.49**
कर्नाटक	95.85	48.08	84.30		109.35	84.55	**85.79**
केरल	102.04	69.07	93.25		68.08	88.04	**87.73**
केलकाता	99.08	42.19	88.50		65.22	87.66	**86.15**
मध्य प्रदेश	94.14	42.51	82.37		-	85.41	**83.05**
महाराष्ट्र	103.38	57.17	94.67		-	89.51	**91.83**
मुंबई	84.77		71.79	32.07	51.27	70.99	**73.73**
उत्तर-पूर्व	104.50	63.56	87.96		-	95.37	**95.14**
ओड़ीशा	99.21	56.85	90.30		26.67	90.43	**86.97**
पंजाब	105.77	41.39	84.30		50.45	76.53	**82.20**
राजस्थान	98.11	44.52	89.98		59.01	81.44	**85.10**
तमिलनाडु	96.75	69.90	93.76		230.56	81.56	**88.03**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	95.44	33.63	85.61		-	86.40	**83.72**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	101.00	37.84	82.52		13.70	78.19	**82.27**
पश्चिम बंगाल	95.84	66.15	94.33		31.42	84.53	**89.55**
कुल	**97.86**	**50.31**	**87.31**	**18.58**	**80.87**	**83.65**	**85.39**

नोट: इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक-3

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि		क्वार्डेंट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो			
	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त, 21	सितम्बर , 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21	अगस्त, 21	सितम्बर , 21	अगस्त, 21	सितम्बर , 21	अगस्त, 21	सितम्बर , 21	अगस्त, 21	सितम्बर, 21
आन्ध्र प्रदेश	698874	689207			301952	309830	20937	20879	155578	155394			60915	61415	499310	525501	**1737566**	**1762226**
असम	104,043	103,859											3450	3450	68442	72561	**175935**	**179870**
बिहार	181,329	180,193					20	20	7887	7804			1770	1770	166071	178590	**357077**	**368377**
दिल्ली			1304742	1300197	1639979	1671190	30972	30932	137500	136965			93329	93659	455230	476030	**3661752**	**3708973**
गुजरात	464275	457252			133296	135718	3859	3697	77885	77684			44797	45017	295094	306146	**1019206**	**1025514**
हरियाणा	180162	182657			37141	37733	0	0	35036	35433			360	360	51034	53861	**303733**	**310044**
हिमाचल प्रदेश	89745	89944			0	0	0	0	1620	1620			30	30	20267	22017	**111662**	**113611**
जम्मू और कश्मीर	108249	108505			18494	30018	0	0	0	0			0	0	105450	110386	**232193**	**248909**
कर्नाटक	884811	873892			818411	824939	24486	24527	243281	242814			98602	98712	348001	364046	**2417592**	**2428930**
केरल	1118157	1087505			71767	72949	5314	5105	18289	18681			8780	8780	104293	111820	**1326600**	**1304840**
केलकाता	456061	452866			159157	161358	7220	6915	46250	46187			15300	15330	188146	199605	**872134**	**882261**
मध्य प्रदेश	301596	299002			308918	318194	5	5	10930	11059			2765	2765	252270	269926	**876484**	**900951**
महाराष्ट्र	780476	772380			195328	201921	11606	11154	218301	216790			28853	29653	125150	132163	**1359714**	**1364061**
मुंबई			1520887	1504117	436685	442634	57704	57145	479823	479353			112475	112805	463959	478307	**3071533**	**3074361**
उत्तर-पूर्व	82871	83339											330	330	55526	59906	**138727**	**143575**
ओड़ीशा	196034	196630					6	6	8477	8381			6570	6570	76074	82238	**287161**	**293825**
पंजाब	260335	263568			168903	171608	1722	1706	12719	12887	200596	198910	2265	2265	123081	128710	**769621**	**779654**
राजस्थान	300591	307576			97996	117361	4142	4130	12099	12080			13190	13320	160063	168146	**588081**	**622613**
तमिलनाडु	1073624	1054202			616360	627786	24406	24094	118008	117917			37975	38565	360183	378477	**2230556**	**2241041**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	185182	191367			99512	103756	21	21	8060	7944			23580	23610	194183	206944	**510538**	**533642**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	203329	206738			69072	72913	7	7	4269	4279			7320	7350	203445	217293	**487442**	**508580**
पश्चिम बंगाल	228585	230297					12	12	2424	2447			120	120	92778	102788	**323919**	**335664**
कुल	**7898329**	**7830979**	**2825629**	**2804314**	**5172971**	**5299908**	**192439**	**190355**	**1598436**	**1595719**	**200596**	**198910**	**562776**	**565876**	**4408050**	**4645461**	**22859226**	**23131522**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**-67350**		**-21315**		**126937**		**-2084**		**-2717**		**-1686**		**3100**		**237411**		**272296**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	**1841444**	**1822729**	**0**	**0**	**0**	**0**	**180**	**180**	**38756**	**38499**	**25216**	**24874**	**0**	**0**	**40348**	**42593**	**1945944**	**1928875**

नोट: बीएसएनएल-एफटीटीएच वॉयस-कनेक्शन को भी मई 2021 के महीने से शामिल किया गया है।

अनुलग्नक-4

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**उपभोक्ताओं की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।